

इतिहासलेखन की अवधारणा और विकास (Meaning and Development of Historiography)

♦ 1. परिचय

‘Historiography’ का अर्थ है — इतिहास लिखने की कला, पद्धति और दृष्टिकोण।
अर्थात्, इतिहास कैसे लिखा गया, किस दृष्टि से लिखा गया, और किन स्रोतों के आधार पर लिखा गया — यही इतिहासलेखन का विषय है।

♦ 2. प्रारंभिक विकास

प्राचीन काल में इतिहास कथात्मक और धार्मिक रूप में लिखा गया — जैसे पुराण, राजतरंगिणी, हेरोडोटस की “Histories”।

मध्यकाल में इतिहास राजाओं के जीवन और युद्धों पर केंद्रित रहा।

आधुनिक काल में इतिहास एक वैज्ञानिक अनुशासन के रूप में विकसित हुआ — स्रोत-समीक्षा, कारण-परिणाम और वस्तुनिष्ठता पर बल।

♦ 3. प्रमुख युग

1. Classical Historiography – Herodotus, Thucydides

2. Medieval Historiography – धार्मिक दृष्टिकोण (ईसाई, इस्लामी इतिहास)

3. Renaissance and Enlightenment – तर्क और मानव-केंद्रित दृष्टिकोण

4. Modern Historiography – वैज्ञानिक पद्धति, राष्ट्रवाद, मार्क्सवाद आदि

♦ 4. उद्देश्य

इतिहास केवल “क्या हुआ” नहीं, बल्कि “क्यों हुआ” यह समझना —
इससे इतिहास तथ्यों का वर्णन नहीं बल्कि विचारों का विश्लेषण बन जाता है।

 ई-नोट 2 : मार्क्सवादी इतिहासलेखन (Marxist Historiography)

- ♦ 1. परिचय

मार्क्सवादी इतिहासलेखन का आधार कार्ल मार्क्स और फ्रेडरिक एंगेल्स के विचार हैं। यह इतिहास को “वर्ग संघर्ष” (Class Struggle) और “उत्पादन के साधनों” (Means of Production) के दृष्टिकोण से देखता है।

- ♦ 2. मुख्य सिद्धांत

आर्थिक आधार समाज का ढांचा निर्धारित करता है।

इतिहास का प्रत्येक युग शासक वर्ग और शोषित वर्ग के संघर्ष का परिणाम है।

“इतिहास” का अर्थ – समाज की भौतिक परिस्थितियों का परिवर्तन।

- ♦ 3. प्रमुख इतिहासकार

E. P. Thompson – The Making of the English Working Class

Eric Hobsbawm – Age of Revolution श्रृंखला

D. D. Kosambi, R. S. Sharma, Irfan Habib – भारतीय संदर्भ में

- ♦ 4. महत्व

मार्क्सवादी दृष्टिकोण ने इतिहास को आर्थिक और सामाजिक यथार्थ से जोड़ा। इससे किसानों, मजदूरों और निम्न वर्गों के इतिहास का अध्ययन संभव हुआ।

- ♦ 5. आलोचना

कुछ इतिहासकारों ने कहा कि यह दृष्टि अत्यधिक आर्थिक निर्धारणवादी है और सांस्कृतिक पक्ष की उपेक्षा करती है।